भारतीय करारोपण के सुधार के बारे में शिक्षा के विभिन्न प्रतिफलों को स्पष्ट कीजिए

शिक्षा के विभिन्न प्रतिफल

1. वैकल्पिक लागत (Optional Cost)-

शिक्षा की वैकल्पिक लागत में वे सभी यार्थाथ संसाधन सम्मिलित होते हैं जिन्हें उपयोग शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया में किया जाता है। जहाँ इन संसाधनों को धन के रूप में नहीं मापा जा सकता वहाँ उनके वैकल्पिक उपयोग में मिलने वाले मूल्य के रूप में उनकी अनुमानित लागत सम्मिलित की जा सकती है। इसका एक स्पष्ट उदाहरण है छात्रों का समय जो वे शिक्षा प्राप्त करने लिए लगाते हैं। इस समय की वैकल्पिक लागत निकालने के लिए हमें यह मालूम करना होगा कि यदि यही समय वे किसी वैतनिक कार्य करने के लिए लगाते तो उन्हें क्या आर्थिक लाभ होता। कुछ विद्वान वैकल्पिक लागत' पद का प्रयोग ऐसे संसाधनों का मूल्य व्यक्त करने के लिए करते हैं जो खरीदे या बेचे नहीं जाते, बल्कि उनका मूल्य त्यागी गई आय या अन्य माप द्वारा आंका जाता है। वस्तुतः 'वैकल्पिक लागत' के अन्तर्गत सभी संसाधनों का समावेश होता है चाहे वे बेचे और खरीदे गये हों अथवा नहीं। वेतन रहित मानव का सक्रिय योगदान इसी श्रेणी में आता है।

2. पूँजीगत तथा आवर्ती लागत (Capital and Recurrent Costs)-

शिक्षा की लागत में चालू तथा पूंजीगत व्यय-दोनों ही सम्मिलित किये जाते हैं। इनमें महत्वपूर्ण अन्तर है। आवर्ती अथवा चालू व्यय में उपभोग्य वस्तुओं (जैसे पुस्तकें, स्टेशनरी इत्यादि) पर तथा ऐसी सेवाओं पर व्यय सम्मिलित है जिनसे जल्दी ही लाभ मिलता है तथा उन्हें नियमित रूप से नवीन करना होता है। पूंजीगत व्यय के अन्तर्गत भवन, मशीनें आदि

ऐसी स्थायी वस्तुओं की खरीद आती है जो लम्बी अवधि तक लाभ देती है। पूंजीगत माल की खरीद को निवेश कहा जा सकता है।

शिक्षा अर्थशास्त्रियों के अनुसार चालू तथा पूंजीगत दोनों ही व्यय को यार्थाथ अथवा चालू मूल्य या स्थिर मूल्य स्तर के रूप में मापा जा सकता है। उदाहरणार्थ शिक्षा व्यय की प्रवृत्ति का विश्लेषण यथार्थ व्यय की प्रवृत्ति के रूप में अथवा स्थिर क्रयशील के रूप में व्यक्त किया जा सकता है।

3. औसत तथा सीमान्त लागत (Average and Marginal Costs)-

लागत विश्लेषण के अन्तर्गत शिक्षा की कुल लागत का अथवा प्रति इकाई लागत का अध्ययन किया जा सकता है। प्रति इकाई लागत के अन्तर्गत एक छात्र की शिक्षा पर लगी लागत को मापा जाता है। प्रति इकाई लागत को मापने की दो विधियाँ हैं। यदि एक शिक्षण-संस्था के कुल छात्रों की शिक्षा की लागत को उस संस्था के कुल छात्रों की संख्या से विभाजित किया जाये तो इससे प्रति छात्र औसत लागत निकल आती है। विकल्प के रूप में यदि स्नातक शिक्षा पर लगी लागत स्नातक कक्षा-के कुल छात्रों की संख्या से विभाजित कर दिया जाए तो इससे प्रति यदि स्नातक शिक्षा पर लगी लागत को स्नातक कक्षा के कुल छात्रों की संख्या से विभाजित कर स्नातक औसत् लागत ज्ञात हो जाती है। ये दोनों ही प्रति इकाई लागत के उदाहरण हैं। समय के सन्दर्भ (जैसे औसत आय प्रति छात्र इत्यादि) में भी औसत लागत निकाली जा सकती है।

प्रायः लागतों का नियत तथा परिवर्तनीय होना समय की अवधि पर निर्भर करता है। अल्प-अवधि में अध्यापकों तथा भवनों की लागत नियत हो सकती है यद्यपि पुस्तकों, स्टेशनरी तथा अन्य सामग्री की संख्या छात्र - संख्या के साथ-साथ बढ़ सकती है। दीर्घ-अवधि में नियुक्त किए गए अध्यापकों की संख्या परिवर्तनशील हो सकती है। दीर्घ-अवधि की सीमान्त लागत की अपेक्षा शिक्षा की अल्प-अवधि की सीमान्त लागत निम्न रहने की सम्भावना रहती है। छात्र संख्या में अतिरिक्त वृद्धि के कारण अतिरिक्त लागत में वृद्धि होना भी इस बात पर निर्भर करेगा कि परिवर्तन किस परिणाम में करना है। एक अतिरिक्त छात्र के प्रवेश के कारण अतिरिक्त लागत को मापना असम्भव हो सकता है। परन्तु 50 अथवा 100 अतिरिक्त छात्रों के कारण लागत में अतिरिक्त लागत को मापना पूर्णतः सम्भव हो सकता है, विकल्प के रूप में 50 या 100 छात्रों की संख्या कम करने के कारण सीमान्त बचत को भी मापा जा सकता है। यहाँ पर यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए कि यूनाइटेड किंगडम में विदेशी छात्रों की सीमान्त लागत के अध्ययन में बताया गया है कि- स्पष्ट विदेशी छात्रों के विषय में सीमान्त लागत अथवा सीमान्त बचत जैसी कोई बात नहीं है। सीमान्त लागत तथा सीमान्त बचत पृथक संख्या नहीं है बल्कि क्रमगत कार्य है। 100 अतिरिक्त

छात्रों की सीमान्त लागत शून्य हो सकती है जबकि 200 अतिरिक्त छात्रों की सीमान्त पर्याप्त अधिक हो सकती है। इसके अतिरिक्त 1000 अतिरिक्त छात्रों की सीमान्त लागत 500 छात्रों की सीमान्त लागत से दोगुनी नहीं होती है। सीमान्त बचत पर भी यह बात लागू होती हैं।

"कम विदेशी छात्रों की दीर्घ-अवधि की सीमान्त बचत अधिक विदेशी छात्रों की दीर्घ-अवधि सीमान्त लागत के एकदम प्रतिलोम नहीं है। कम विदेशी छात्रों की सभी सम्भावित बचतों को मालूम करने में वर्षों लग सकते हैं।" **-ब्लाग**

इस प्रकार नियत तथा परिवर्तनशील लागतों का परस्पर अनुपात सीमान्त तथा औसत लागतों के सम्बन्ध को निर्धारित करता है। आकार तथा औसत एवं सीमान्त लागतों में निम्नलिखित तीन सम्बन्ध है।

(1) समानुपातिक प्रतिफल का आयलर (Constant Returns to Scale)- इसके अन्तर्गत औसत सीमान्त लागतें समान होती है तथा औसत तथा औसत लागत पूर्ववत् रहती है, चाहे इकाइयों की संख्या में भले ही परिवर्तन हो जाए।

(2) परिमाण मूलक सुलाभ (बड़े पैमाने की किफयतें) (Economics of Scale) - इसके अन्तर्गत इकाई- संख्या में वृद्धि के परिणामस्वरूप औसत लागत गिर जाती है क्योंकि औसत लागत की अपेक्षा सीमान्त लागत कम होती है।

(3) परिमाण मूलक सुलाभ (Dis-economies of Scale)- इसके अन्तर्गत औसत लागत की अपेक्षा सीमान्त लागत अधिक आ है, अतः इकाइयों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ औसत लागत भी बढ़ती है।

तालिका तथा चित्र एक प्राक्काल्पनिक लागत कार्य को दर्शातें हैं। इनमें उपर्युक्त तीन अवस्थाओं के अन्तर्गत औसत तथा सीमान्त लागतों के व्यवहार का निरूपण किया गया है।

शिक्षाशास्त्र

महत्वपूर्ण लिंक

- ई-लर्निंग का अर्थ | ई-लर्निंग की प्रकृति एवं विशेषतायें | ई-लर्निंग के विविध रूपों एवं शैलियों का उल्लेख
- ओवरहेड प्रोजेक्टर पर संक्षिप्त लेख | ओवरहेड प्रोजेक्टर का उपयोग | ओवरहेड प्रोजेक्टर की सीमायें
- आगमन विधि का अर्थ | निगमन पद्धति का अर्थ | आगमन विधि तथा निगमन पद्धति के गुण एवं दोष
- शिक्षा का अर्थ | शिक्षा की प्रमुख परिभाषाएँ | शिक्षा की विशेषताएँ | Meaning of education in Hindi | Key definitions of education in Hindi | Characteristics of education in Hindi
- शिक्षा की अवधारणा | भारतीय शिक्षा की अवधारणा | Concept of education in Hindi | Concept of Indian education in Hindi

- शिक्षा के प्रकार | औपचारिक, अनौपचारिक और निरौपचारिक शिक्षा | औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा में अन्तर
- शिक्षा के अंग अथवा घटक | Parts or components of education in Hindi
- शिक्षा के विभिन्न प्रकार | शिक्षा के प्रकार या रूप | Different types of education in Hindi | Types or forms of education in Hindi
- निरौपचारिक शिक्षा का अर्थ तथा परिभाषा | निरौपचारिक शिक्षा की विशेषताएँ | निरौपचारिक शिक्षा के उद्देश्य
- शिक्षा के प्रमुख कार्य | शिक्षा के राष्ट्रीय जीवन में क्या कार्य | Major functions of education in human life in Hindi | What work in the national life of education in Hindi
- वर्धा बुनियादी शिक्षा | वर्धा बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत | बुनियादी शिक्षा के उद्देश्य | वर्धा शिक्षा योजना के गुण - दोष
- राज्य के शैक्षिक कार्यों का वर्णन | शैक्षिक अभिकरण के रूप में राज्य के कार्यों का वर्णन कीजिये
- शैक्षिक अभिकरण के रूप में विद्यालय के कार्य | शैक्षिक अभिकरण के रूप में विद्यालय के कार्यों का वर्णन कीजिये
- विद्यालय को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपाय | विद्यालय को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपायों का वर्णन कीजिये
- शैक्षिक अभिकरण के रूप में परिवार के कार्य | Family functions as an educational agency in Hindi
- नवाचार का अर्थ | नवाचारों को लाने में शिक्षा की भूमिका | नवाचार की विशेषतायें
- नवाचार के मार्ग में अवरोध तत्व | शिक्षा में 'नवीन प्रवृत्तियों (नवाचार) के मार्ग में अवरोध तत्वों' का वर्णन
- दर्शन का अर्थ | दर्शन की परिभाषाएं | दर्शन का अध्ययन क्षेत्र
- गांधी जी का शिक्षा दर्शन - आदर्शवाद, प्रयोजनवाद और प्रकृतिवाद का समन्वय है।
- शिक्षा में महात्मा गाँधी का योगदान या शैक्षिक विचार | गाँधीजी के शिक्षा दर्शन से आप क्या समझते हैं?
- विवेकानन्द का शिक्षा दर्शन शिक्षाशास्त्री के रूप में | विवकानन्द के अनुसार शिक्षा के पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियां
- मानव निर्माण शिक्षा में स्वामी विवेकानन्द का योगदान | मानव निर्माण शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य
- आदर्शवाद में शिक्षा के उद्देश्य | आदर्शवाद में शिक्षा के सम्प्रत्यय
- जॉन डीवी के प्रयोजनवादी शिक्षा | जॉन डीवी की प्रयोजनवादी शिक्षा का अर्थ
- रूसो की निषेधात्मक शिक्षा | निषेधात्मक शिक्षा क्या है रूसो के शब्दों में बताइये
- आदर्शवाद की परिभाषा | आदर्शवाद के मूल सिद्धान्त
- सुकरात का शिक्षा दर्शन | सुकरात की शिक्षण पद्धति
- प्रकृतिवाद में रूसो एवं टैगोर का योगदान | प्रकृतिवाद में रूसो का योगदान | प्रकृतिवाद में टैगोर का योगदान
- प्रकृतिवाद क्या है | प्रकृतिवादी शिक्षा की प्रमुख विशेषताएँ | प्रकृतिवादी पाठ्यक्रम के सामान्य तत्व
- प्रकृतिवाद में रूसो का योगदांन | रूसो की प्रकृतिवादी विचारधारा
- प्रयोजनवाद का अर्थ | प्रयोजनवाद दर्शन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन
- प्रयोजनवाद के शिक्षा के उद्देश्य | प्रयोजनवाद तथा शिक्षण-विधियाँ | प्रयोजनवाद के अनुसार शिक्षा-पाठ्यक्रम
- प्रयोजनवाद और प्रकृतिवाद मे तुलना | प्रकृतिवादी दर्शन की विशेषताएँ | प्रयोजनवाद की विशेषताएं
- आधुनिक शिक्षा पर प्रयोजनवाद के प्रभाव का उल्लेख
- आधुनिक शिक्षा पर प्रकृतिवाद का प्रभाव | आधुनिक शिक्षा पर प्रकृतिवाद क्या प्रभाव पड़ा

- प्रयोजनवाद में पाठ्यक्रम के सिद्धान्त | प्रयोजनवादी पाठ्यक्रम पर संक्षिप्त लेख | प्रयोजनवाद में पाठ्यक्रम की विषयवस्तु का वर्णन
- ओशो का शैक्षिक योगदान | ओशो के शैक्षिक योगदान पर संक्षिप्त लेख
- फ्रेरा का शिक्षा दर्शन | फ्रेरा का शैक्षिक आदर्श | Frara's education philosophy in hindi | Frara's educational ideal in hindi
- इवान इर्लिच का जीवन परिचय | इर्लिच का शैक्षिक योगदान | Ivan Irlich's life introduction in hindi | Irlich's educational contribution in hindi
- जे0 कृष्णमूर्ति के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य | जे0 कृष्णमूर्ति के अनुसार शिक्षा के कार्य
- जे. कृष्णामूर्ति के दार्शनिक विचार | जे. कृष्णामूर्ति के दार्शनिक विचारों का वर्णन
- राष्ट्रीय एकता व भावात्मक एकता का सम्बन्ध | भारत में राष्ट्रीय एकता का संकट | निवारण हेतु कोठारी आयोग के सुझाव
- राष्ट्रीय एकता के मार्ग में मुख्य बाधाएं | शिक्षा द्वारा राष्ट्रीय एकता की बाधाओं को दूर करने के उपाय
- मूल्य शिक्षा के विकास में परिवार की भूमिका का वर्णन | Describe the role of family in the development of value education in Hindi
- मूल्य शिक्षा का अर्थ | मूल्य शिक्षा की आवश्यकता | मूल्य शिक्षा की अवधारणा
- भावनात्मक एकता के विकास में शिक्षा किस प्रकार सहायक हो सकती है? | बच्चों को भावनात्मक एकता के लिए शिक्षा देना क्यों आवश्यक है?
- पर्यावरण शिक्षा का अर्थ | पर्यावरण शिक्षा के लक्ष्य | पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम
- भावात्मक एकता के लिए भावात्मक एकता समिति द्वारा दिये गये सुझावों का वर्णन कीजिए।
- राष्ट्रीय एकता का अर्थ | राष्ट्रीय एकता की प्राप्ति के लिए उपाय | राष्ट्रीय एकीकरण में शिक्षक की भूमिका
- भावात्मक एकता का अर्थ | भावात्मक एकता के स्तर | भावात्मक एकता के विकास में शिक्षा के कार्य | राष्ट्रीय एकता भावात्मक एकता के सम्बन्ध
- अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना क्या है? | शिक्षा किस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना का विकास करने में सहायक हो सकती है? | अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के बाधक तत्वों का उल्लेख कीजिए।
- भारत में शिक्षा का भूमण्डलीकरण किस प्रकार गति प्राप्त कर रहा है? | भूमण्डलीकरण क्या है?
- संचार का अर्थ | संचार के प्रकार | मीडिया एवं शिक्षा के मध्य सम्बन्ध | जनसंचार के साधनों का महत्व
- शैक्षिक अर्थशास्त्र का क्षेत्र | scope of educational economics
- शिक्षा के अर्थशास्त्र के शिक्षण के उद्देश्य | Objectives of teaching economics of education in Hindi
- शिक्षा के अर्थशास्त्र की संकल्पना | भारत के अर्थशास्त्र की संकल्पना | Concept of semiology of education in Hindi
- शिक्षा के अर्थशास्त्र का क्षेत्र | विकासशील अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में शिक्षा के अर्थशास्त्र की भूमिका
- भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति | Nature of Indian economy in hindi
- अर्थव्यवस्था के प्रकार | Type of economy in hindi
- शिक्षा का निवेश तथा उपयोग के रूप में वर्णन | Description of education as investment and use in Hindi

sarkariguider.com